जैन पर्वों की विशेषताएं बताते हुये किन्हीं दो पर्वों का वर्णन कीजिए?

Describe the characteristes of Jain festivals and write on any two Jain festivals.

प्र. 3. जैन मूर्तिकला का विवेचन कीजिए?

Explain the Jain Murtikala.

अथवा / OR

आचार्य उमास्वाति का जैन दर्शन के क्षेत्र में योगदान स्पष्ट करें।

Clarify the contribution of Acharya Umaswati in the field of Jain Philosophy.

प्र. 4. जैन आगमों को परिभाषित करते हुये किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

Explain the Jain Agam and write any two Jain Agam.

अथवा / OR

गणधर परम्परा को विस्तार से समझाइए?

Explain in detail about tradition of Gandhara.

प्र. 5. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

Write short note on any two of the following -

(i) योग साहित्य/Literature of Yoga

(ii) जैन चित्रकला/Jain Paintings

(iii) व्रत/Vrata (Abstinence)

(iv) आगम वाचना/Agama Vachana (Councils on Jain Canons)

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा – 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भगवान ऋषभ के जीवन दर्शन को बताते हुये उनकी ऐतिहासिकता पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

Thorw light in detail about the life and historicity of Lord Risabha.

अथवा / OR

भगवान महावीर के जीवन दर्शन को बताते हुये उनकी ऐतिहासिकता पर विस्तार से प्रकाश डालिये?

Throw light in detail about the life and historicity of Lord Mahaviera.

प्र. 2. जैन संस्कृति की विशेषताएं लिखिए?

Write the characteristics of Jain Culture.

अथवा / OR

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. द्रव्य–गुण–पर्याय के भेदाभेद को विस्तार से लिखें?

Write the identity-cum-difference of substance quality and modes?

अथवा / OR

आकाशास्तिकाय के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालें।

Explain the concept of space in detail?

प्र. 2. धर्मास्तिकाय एवं अधर्मास्तिकाय के बारे में लिखते हुए लोक–अलोक की भेदरेखा का आधार ये दोनों कैसे हैं स्पष्ट करें?

Explain about the medium of motion and medium of rest and how both are main cause of bifurcation between cosmos and supra-cosmos?

अथवा / OR

पुद्गलास्तिकाय के स्वरूप को समझाते हुए परमाणु–स्कन्ध की बंध प्रक्रिया पर प्रकाश डाले?

Explain the nature of matter and highlight the process of fusion between aggregates and atom?

प्र. 3. जैन आचार की तात्त्विक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए जैन आचार की महत्ता पर लिखें?

Write on the importance of Jain Ethics and its metaphysical background on which Jain Ethics is based?

अथवा / OR

जैन दर्शन में करूणा पर प्रकाश डालें?

Explain the concept of Compassion in Jainism?

प्र. 4. श्रावकाचार की 12 व्रतों की व्याख्या करते हुए प्रत्येक व्रत के 5–5 अतिचारों की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।

Explain the tweleve vows of lay followers and explain present transgressiors of the 5-5 transgressions of each vow?

अथवा / OR

जैन धर्म के नौ तत्त्वों पर प्रकाश डालते हुए बंधन एवं मोक्ष के साधनों की विस्तार से चर्चा करें?

Explain about the nine fundamental elements of Jain Religion and highlight the means of bondage and liberation?

प्र. 5. जैन धर्म में संघ व्यवस्था के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालें?

Explain the organizational management of Jaina religion in detail?

अथवा / OR

जैन श्रमणाचार पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए आत्मसाक्षात्कार हेतु संलेखलना स्वीकरण की प्रासंगिकता एवं 22 परीषहों को सहन करने की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।/Expalin Jain Shramanachar in brief and the relevance of accepting the samlekhana and enduaing the 22 hardships to attain the goal of self-realization?

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

तृतीय पत्र : ध्यान योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन योग के ऐतिहासिक विकासक्रम पर प्रकाश डालें।
Throw light on Historical development of Jain Yoga.

अथवा / OR

मनोनुशासन के आधार पर सालम्बन ध्यान और निरालंबन ध्यान की व्याख्या करें।
Explain the Salamban dhyan and Niralamban dhyan according to Manonushasanam.

प्र. 2. प्रेक्षाध्यान के आगमिक स्रोत पर प्रकाश डालें।
Throw light on scriptural sources of Preksha Meditation.

अथवा / OR

उत्तराध्ययन के आधार पर लेश्या का विवेचन करें।
Explain the concept of lesya on the basis of Uttaradhyayana.

प्र. 3. योग को परिभाषित करते हुए अष्टांग योग का विवेचन करें।
Define yoga and Explain 'Astanga Yoga'

अथवा / OR

बौद्ध दर्शन में समाधि की अवधारणा पर प्रकाश डालें।
Throw light on the concept of Samadhi in Buddhist Philosophy.

प्र. 4. कर्म की पौद्गलिकता तथा कर्म की दस अवस्थाओं पर प्रकाश डालें।
Throw light on materiality of Karma and Ten states of Karma.

अथवा / OR

आत्मा और कर्म का पारस्परिक संबंध तथा मुक्ति की प्रक्रिया समझाएं।
Explain the mutual relation of soul and karma and the process of liberation.

प्र. 5. मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में कर्मवाद की व्याख्या करें।
Explain the karmic theory in the light of Psychology.

अथवा / OR

गुणस्थान पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।
Write a detailed essay on Gunasthan.

♦♦♦

अथवा / OR

केवलज्ञान एवं केवल दर्शन को विस्तार से समझाएं।

Write an essay on perfect knowledge and perfect intuition.

प्र. 4. जैन न्याय के उद्‌भव एवं विकास को विस्तार से बताएं।

Write in detail about origin and development of Jain Logic.

अथवा / OR

जैन दर्शन में प्रमाण लक्षण के क्रमिक विकास का प्रतिपादन करें।

Explain about the development of characteristic of logic as per Jain Philosophy.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following :

(i) प्रत्यभिज्ञा / Recognition

(ii) प्रमाता / Knower

(iii) अनुमान प्रमाण / Inference

(iv) स्मृति / Recollection

(v) आचार्य हेमचंद्र और प्रमाण मीमांसा / Acharya Hemchandra and his Praman Mimansa

(vi) दृष्टान्त / Illustration or Example

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा – 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान और ज्ञेय की अवधारणा पर प्रकाश डालें।

Explain about the concept of knowledge (Gyan) and knowable (Gyeya) according to Jain Philosophy.

अथवा / OR

दर्शन के स्वरूप को बताते हुए उसके भेदों को समझाएं।

Describing the nature of Philosophy. discuss about its types.

प्र. 2. मतिज्ञान के स्वरूप को विस्तार से बताएं।

Discuss in detail about the nature of perceptual knowledge (Matigyan)

अथवा / OR

इन्द्रिय और मन की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Explain about the concept of senses and mind.

प्र. 3. अवधिज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालें।

Define clairvoyance (Avadhi Gyan) and explain its types and subtypes.

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा – 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

पंचम पत्र : जैन आगम

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग की विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुये इसके महत्त्व को समझाइये।

Throwing light on the subject matter of 'Acharanga' explain its significance.

अथवा / OR

षडजीवनिकाय पर एक निबन्ध लिखिये।

Write on essay on 'Sixtypes of Jiva' (Sadjivanikaya).

प्र. 2. अज्ञानवाद व विनयवाद पर लेख लिखिये।

Write on essay on 'Agynavada and Vinayavada'.

अथवा / OR

सूत्रकृतांग की विषय–वस्तु पर विस्तृत लेख लिखिये।

Write detail essay on the subject matter of 'Sutrakritanga'.

प्र. 3. आत्मकर्तृत्ववाद एवं पुरुषार्थ का विवेचन कीजिये।

Discuss 'Atamkrtritvavada' and 'Purusarth'.

अथवा / OR

कर्मवेदना और निर्जरा के स्वरूप का वर्णन कीजिये।

Describe the nature of 'Karmavedana' and 'Nirjara'.

प्र. 4. उत्तराध्ययन सूत्र का संक्षिप्त परिचय देते हुये विनय के स्वरूप को समझाइये।

Give brief introduction of Uttaradhyayana Sutra and Explain the nature of 'Vinaya'.

अथवा / OR

दशवैकालिक पर एक निबन्ध लिखिये।

Write an essay on 'Dasvaikalika'.

प्र. 5. समयसार का परिचय देते हुये उसकी विषय वस्तु पर विस्तृत लेख लिखिये।

Giving introduction of 'Samayasara' write detailed essay on its subject matter.

अथवा / OR

जो पस्सदि अप्पाणं, अबद्धपुट्ठं अणण्णयं णियदं।

अविसेसमसंजुत्तं तं सुद्धणयं वियाणीहि।।

उपर्युक्त गाथा का अर्थ बताते हुये शुद्धनय के स्वरूप को समझाइये।

Telling the meaning of above said verse, explain the form of 'Suddhanaya".

♦♦♦

अथवा / OR

नव्येत्क्रान्तिवाद से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by Navyotkrantivada? Explain.

प्र. 4. वस्तु के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the nature of object.

अथवा / OR

विभज्यवाद से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

What do you understand by Vibhajyavad? Explain.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) अनुयोगद्वार / Anuyogadwar

(ii) सापेक्षता / Relativity

(iii) संग्रहनय / Sangrah Naya

(iv) सत् / Sat

(v) आचार्य सिद्धसेन / Acharya Siddhasena

(vi) प्रमेय / Prameya

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा – 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

षष्ठ पत्र : अनेकान्त, नय, निक्षेप और स्याद्वाद

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. वस्तु बोध कैसे होता है? स्पष्ट कीजिए।

How the knowledge of object take place? Explain.

अथवा / OR

पर्याय का स्वरूप स्पष्ट कीजिए?

Explain the nature of Paryaya.

प्र. 2. जैन दर्शन के अनुसार जीव–पुद्गल का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Soul and Matter according to Jain Philosophy.

अथवा / OR

अनेकान्त सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

Describe the theory of Non-absolutism.

प्र. 3. प्रमाण सप्तभंगी और नय सप्तभंगी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Explain the differences between Pramana Saptabhangi and Naya Saptabhangi.

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

सप्तम पत्र : जैन धर्म-दर्शन और भारतीय धर्म-दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन, बौद्ध एवं वेदान्त के अनुसार सत् के स्वरूप का विवेचन करें।

Describe the nature of the Being (Sat) according to Jain, Bauddhist & Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

जैन, सांख्य एवं अद्वैतवेदान्त के अनुसार मोक्ष के स्वरूप को स्पष्ट करें।

Write the nature of Liberation (Moksha) according to Jain, Samkhya Advait Vedanta Philosophy.

प्र. 2. जैन एवं बौद्ध के अनुसार अहिंसा के अर्थ एवं स्वरूप का विवेचन करें।

Narrate the meaning and nature of Non-violene (Ahimsa) according to Jain and Buddhist Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार तप की अवधारणा स्पष्ट करें।

Elucidate the concept of (Penance) Tapa according to Jain Philosophy.

प्र. 3. जैन एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार अविद्या की विवेचना करें।

Describe Ignorance (Avidya) according to Jain and Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं बौद्ध दर्शन में कर्म सिद्धान्त का विवेचन करें।

Elucidate the concept of Karma as enumerated in Jain & Buddhist Philosophy.

प्र. 4. जैन एवं न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाण की विवेचना करें।

Describe Valid Cognition (Pramana) according to Jain and Nyaya Philosophy.

अथवा / OR

जैन और बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमान सिद्धान्त की विवेचना करें।

Elucidate the concept of Inference (Anuman) according to Jain and Buddhist Philosophy.

प्र. 5. जैन, बौद्ध एवं योग के अनुसार ध्यान के स्वरूप को स्पष्ट करें।

Illustrate the nature of Meditation according to Jain, Buddhist & Yoga Philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं बौद्ध दर्शन में ध्यान के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट करें।

Describe the various kind of Meditation as mentioned in Jain and Bauddhist Philosophy.

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा – 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

अष्टम पत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीयेतर धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. लाइबनीज के चिदणुवाद की अवधारणा को बनाते हुए, जैन आत्मवाद की मौलिकता पर प्रकाश डालें।

Describe the concept of monads of Leibnitz and focus on main charateristic of Jain concept of soul.

अथवा / OR

अरस्तु द्वारा प्रतिपादित द्रव्य और आकार से जैन दर्शन के द्रव्य एवं पर्याय की तुलना करें।

Compare the concept of substance and form of Aristotle with the substance and mode of Jain Philosophy.

प्र. 2. लाइबनीज, काण्ट, न्यूटन के दर्शन में देशकाल की विशेषताओं का वर्णन करते हुए जैन दृष्टि से उसकी तुलना करें।

Write the salient features of space and time in the philosophy of Leibnitz, Kant and Newton and compare it with Jain View.

अथवा / OR

काण्ट और ह्यूम के दर्शन में और जैन दर्शन में आत्मा का स्वरूप क्या है– समझाइए।

Expalin- The nature of soul in Kant, Hume and Jain Philosophy.

प्र. 3. द्रव्य के विषय में डेकार्ट एवं जैन दर्शन की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Clarify the concept of substance in Descarte and Jain Philosophy.

अथवा / OR

स्पिनोजा, बर्कले एवं जैन दर्शन के जगत के विषय में विचार प्रस्तुत करें।

Present the concept of universe from viewpoint of Spinoza, Berkley and Jain Philosophy.

प्र. 4. पारसी धर्म और जैन धर्म की समनाताओं एवं विषमताओं पर प्रकाश डालें।

Throw light on the similarities and dissimilarities of Parsi and Jain Religion.

अथवा / OR

इस्लाम धर्म एवं जैन धर्म की तुलनात्मक व्याख्या करें।

Comment comparatively on Islamic and Jain Religion.

प्र. 5. वर्तमान की आर्थिक परिस्थितियों में अपरिग्रह सिद्धान्त की प्रासंगिकता पर अपने विचार लिखें।

Write on the relavance of concept of Non-possession in the present economic conditions.

अथवा / OR

अणुव्रत पर प्रकाश डालते हुए, उसके द्वारा स्वस्थ समाज के निर्माण का सपना कैसे फलित करेंगे?

Throw light on Anuvrat and explain how the dream of establisment of Healthy Society will be fulfilled?

♦♦♦